



05 (PII)

## PAPER – II

पत्र – II

## NAGPURI LANGUAGE AND LITERATURE

नागपुरी भाषा एवं साहित्य

Full Marks : 150

Time : 3 Hours

पूर्णांक : 150

समय : 3 घण्टे

निर्देश :

- (1) कुल छव ठो सवाल कर जबाब देऊ । प्रश्न स. -01 आउर - 05 अनिवार्य हँय ।  
(2) हरेक खण्ड से- 01 आउर - 05 अनिवार्य सवाल कर अलावे कम से कम एक ठो सवाल कर जबाब एक खण्ड से देवेक जरूरी हँय ।

Marks  
गुण

खण्ड – क

1. हेठे देल में से कोनो पाँच ठो सवाल कर जबाब संक्षेप में देऊ । (7×5=35)
- (क) नागपुरी में एकवचन से बहुवचन कइसे बनल जायला ? उदाहरन संगे लिखु ।  
(ख) नागपुरी कर कारक चिन्हा के उदाहरन संगे समझाऊ ।  
(ग) नागपुरी भाषा कर उद्भव कहाँ से होइ हँ ? लिखु ।  
(घ) नागपुरी भाषा कर मुद-मुद बिसेसता मनक उल्लेख करू ।  
(ङ) नागपुरी 'सर्वनाम' चाहे 'काल' कर बारे में बताऊ ।  
(च) नागपुरी जनानी झुमइर आउर मरदानी झुमइर में का फरक हँय ।  
(छ) फगुआ राग कर बारे में बताऊ ।
2. नागपुरी भाषा कर विकास उपरे सिलसिलेवार लेख लिखु । 20
3. देवनागरी लिपि कर उद्भव आउर विकास कइसे होलक ? बताऊ । 20
4. उपसर्ग का हके ? नागपुरी में उपसर्ग आउर प्रत्यय में का फरक हँय ? समझाए के लिखु । 20

E27SM6

P.T.O.



## खण्ड - ख

5. हेठे देल में से कोनो पाँच ठो सवाल कर जबाब लिखु । (7×5=35)

- (क) नागपुरी कवि हनुमान सिंह कर कोनो रचना के लिखु ।  
 (ख) नागपुरी कवि सोबरनराय कर कृतिमनक चर्चा करु ।  
 (ग) सहनी उपेन्द्र पाल 'नहन' कर कोनवे कहनी कर बारे में बताऊ ।  
 (घ) सरहुल परब कहिया मनाल जायला आउर काले ? बताऊ ।  
 (ङ) विसेश्वर प्र. केशरी कर कृतिमनक चर्चा करु ।  
 (च) हेठे देल गद्यांश कर संक्षेपण करु ।

जेकर भासा कर आपन साहित हँय उकरे में आपन इतिहास लुकल हँय आउर साहित्य इतिहास में काल विभाजन करल जायला सही मायने में इतिहास लिखेक बटे केकरु ध्यान नी जायला । कालेकि परमानिक इतिहास लिखेक असंभव नइ तो कठिन जरूरे हँय । लोकसाहित्य आउर शिष्ट साहित्य बगरा समरीद हँय । लोकसाहित्य कर जनम तो मनुख कर संगे होयहँे । नागपुरी शिष्ट साहित्य कर ओर नागवंशी परिया से मानल जायहँे । नागवंशी कर राजा रधुनाथ नृपति से नागपुरी गीतमन मिलेला । नागपुरी शिष्ट साहित्य कर ओर इनकरे से मानल जायहँे । इनकर उपरे चैतन्य महाप्रभु कर परभाव दिसेला ।

(छ) झारखंड कर पारम्पारिक कला मिट्टी कला कर बारे में बताऊ ।

6. नागपुरी साहित कर विकास में दोसर साहित मनक का परभाव हँय ? 20

7. हेठे देल गद्यांश के नागपुरी में अनुवाद करु । 20

जिसने भी इस धरती में जन्म लिया है उसे एक दिन मृत्यु अपने आगोश में समेटलेगी । ईश्वर द्वारा प्रदत्त इस शरीर को अच्छे कार्यों में लगाना चाहिए । कभी-कभी हम स्वार्थ से वशीभूत होकर अपनी ज्ञान की आँखों बंद कर देते हैं । पेट तो हमारा छोटा है किन्तु इच्छाएँ अनन्त हैं । कभी पेट की भुख मिटाने के बहाने तो कभी मन की तृष्णा शांत करने के लिए मानवता को भुल जाते हैं । हमारे जीवन का उद्देश्य यही होना चाहिए कि यह जीवन देश और देशवासियों के लिए काम आए । अपने जीवन को धन्य करना तो अपने हाथ में ही है ।



8. हेठ देवल अनुच्छेद के पढ़ आउर पाँच में से कोनवे तीन ठो सवाल कर जबाब लिखु ।

'सातो नदी पार' उपन्यास कर कथावस्तु धुमरेला रामपुर गाँव आउर हुवाँ कर रहेकवाला गंडु साहेब कर नागपुरी संस्कृति में सनाल लेपटाल परिवार कर चाइरो बट अजय गंडु साहेब कर बेटा हकयँ आउर बेटी जानकी । कहेक ले तो गंडु साहेब-धरे उनकर करिन्दा रहे मुदा धर कर हर जिम्मेवारी उकरे रहे । गंडु आउर गंडुइन कर श्वास नेह शभु आउर उकर बेटा अमर उपरे रहे । अजय झारखंड कर राजनिति में सक्रिय रहे । माटी कर रक्षा ले उकर जान न्योधावर रहे । मुदा आगे कर पढ़ ले उके 'नासा' जइसन प्रतिष्ठित संस्थान में जायक मोका लागलक तो आपन इच्छा के रोकेक नी पारलक । अमर शहर में पढ़त रहे मुदा उकर मन रमल रहे गाँव कर सोच सुभियार रतनी में । देखत रहे सपना गाँव ठीन बहेक वाला सातो नदी में पुल बनयाक कर जेके अधुरा छोड़के अजय परदेसी होय जाय रहँय । बेटी जानकी भी केकरे से पाधे नइ रहेला । कढिन परिस्थिति में नहियर से सोसराइर सउमके ताइर देवेला । जनाना मन ले आदर्स बनेला । इ उपन्यास परिवेश के उजागर करेला । झारखंड गाँव जहाँ भइयादी सहियारो आउर मदइती परंपरा हँय । जे जाइत आउर धरम कर भेदभाव नइ जाने । जहाँ सउ में अदमी-दीदी-काका-काकी, बड़ा-बड़ी कर अटुट नाता हँय ।

- (क) उपरे कर गद्यांश में कोन-कोन पात्र मनक उल्लेख हँय ?
- (ख) जानकी कइसन छोड़ी रहे ?
- (ग) अजय काले विदेस चइल गेलक ?
- (घ) गँवइयामन कइसन नाता से जुड़ल रहयना ?
- (ङ) 'सातो नदी पार' उपन्यास में झारखंड कर कइसन गाँव कर चित्रण मिलेला ?